



CLASS: III

SESSION NO : 9

SUBJECT : (HINDI)

CHAPTER NAME : हंस और कछुआ

SUB –TOPIC: मूल्यपरक प्रश्न उत्तर लेखन तथा संदर्भ से

CHANGING YOUR TOMORROW

पाठ -३ हंस और कछुआ



सीखने का
उद्देश्य:

नैतिक
मूल्यों का
विकास।



1. संयम ना रखने पर क्या नुकसान हो सकता है?

उत्तर-

संयम यानी अपने आप पर नियंत्रण रखना और धैर्य से कार्य को करना। अगर हम संयम खो बैठे तो हम मुसीबत में पड़ सकते हैं, हमारा बहुत नुकसान हो सकता है जैसे - पाठ में कछुए ने अपना संयम खो दिया और बोल पड़ा इसीलिए वह गिर कर मर गया । इसलिए हमेशा संयम रखकर ही कार्य करनी चाहिए तब कार्य में सफलता प्राप्त होगी।

२. हमें हमेशा सोच समझकर बोलना चाहिए क्या आप इस बात से सहमत हैं?

उत्तर - जी हाँ, हमें हमेशा सोच समझकर बोलना चाहिए, क्योंकि किसी दूसरे को कुछ भी बोलने से पहले हमें यह बात सोचनी चाहिए की हमारी कोई भी बात दूसरे को बुरी ना लगे तथा किसी का दिल ना दुखे।

वाक्य-" देखो कैसा अदभुत दृश्य है।"

1. तालाब के किनारे से कौन गुजर रहे थे?

उत्तर - तालाब के किनारे से कुछ मछुआरें गुजर रहे थे।

२. बच्चे आसमान में क्या उड़ा रहे थे?

उत्तर- बच्चे आसमान में पतंग उड़ा रहे थे।

३. कछुए ने किससे निवेदन किया?

उत्तर- कछुए ने हंसों से निवेदन किया।

गृह कार्य

पृष्ठ संख्या २५ प्रश्न संख्या २ के सारे कार्य को पुस्तक में करें।

अध्ययन के परिणाम

कहानी पठन के बाद बच्चों में नैतिक मूल्यों का विकास हो पाएगा।



THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP

